महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

---

हिंदी विवि में सातवां अंतरराष्ट्रीय लेखक महोत्सव आज से

विभिन्न भाषाओं के देश-विदेश के लेखक करेंगे शिरकत

डायस्पोरा अध्ययन विभाग व इंडिया इंटर-कान्टिनेंटल कल्चरल असोसिएशन का संयुक्त आयोजन

वर्धा दि. 25 नवम्बर 2011: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के डायस्पोरा अध्ययन विभाग व इंडिया इंटर-कान्टिनेंटल कल्चरल असोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में दि 26 व 27 नवम्बर को सातवां अंतरराष्ट्रीय लेखक महोत्सव आयोजित किया गया है। विवि के हबीब तनवीर सभागर में शनिवार प्रातः 11.00 बजे आयोजित इस महोत्सव का उदघाटन होगा। समारोह की अध्यक्षता विवि के प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन करेंगे।

दो दिवसीय आयोजन में देश तथा विदेशों के 60 से अधिक लेखक तथा प्रतिभागी सहभागिता करेंगे। 'डायस्पोरा साहित्य तथा विश्वशांति में महात्मा गांधी का योगदान' इस मुख्य विषय पर आधारित इस महोत्सव में आष्ट्रेलिया से एंडी जैकसन, एमेश डेनिस (नाइजेरिया), डिंको (क्रोएशिया), यिवुला लोएनोठ पस्तालिडोव (साइप्रस) आदि विदेशों से तथा डॉ. ए. एस. कुशवाह, अमेया विक्रम नंदन भुयान, अनिता विजय ठक्कर, भूपेन महापात्रा, देव भारद्वाज, देवमणी पाण्डेय, प्रो. जी. ए. घनश्याम, डॉ. हरिचंद्र बोरकर, हिरामन तुलसीराम लांजे, आई. एस. तियागोम, जनार्दन पठानीया, डॉ.जयंत कार शर्मा, कुंति, मो- खजामोइनुद्दीन, एम. आर. अरूणा कुमारी, नागो गोविंद थुटे, प्रो. नीर शबनम कुमारी, पी. एल. श्रीधरन परोकोड, फिलिपोस माइकेल, पोटलुरू सुब्रमण्यम, प्रिया अग्रवाल, प्रो. राजगुरू संतोष पुंडलिक, डॉ.राजश्री श्रीपति, सुधीर बी. चव्हान, प्रो.एस. बी. सिंग, डॉ. शुक्ला भट्टाचार्य, डॉ.स्नेहसुधा कुलकर्णी, डॉ.त्रिसि त्रिपाठी, डॉ. वेमपल्ली गंगाधर, डॉ. विजय कुमार रॉय आदि भारत के विभिन्न प्रांतों के विद्वान लेखक सहभागी होंगे।

इस आयोजन के बारे में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के कुलपति विभूति नारायण राय ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय लेखक महोत्सव के बहाने विभिन्न देशों के लेखक सर्जनशीलता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण विचार विमर्श करेंगे तथा इस क्षेत्र में अपने योगदान और समृध्द करेंगे। इस संगोष्ठी से विवि के छात्र तथा अध्यापक लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने इस महोत्सव के लिए अपनी शुभमाकनाएं भी दी हैं। विवि के प्रतिकुलपति प्रो. ए.

अरविंदाक्षन ने बताया कि भारतीय तथा विदेशी साहित्य सृजनकर्ताओं को एक मंच पर लाने का महत्वपूर्ण सुअवसर इस संगोष्ठी के माध्यम से मिलेगा। उन्होंने आशा जतायी कि गांधी की कर्मभूमि वर्धा में आने वाले साहित्य कर्मियों के लिए इसे एक नई जीवन दृष्टि मिलेगी। इस अवसर पर उपस्थित रहने की अपील इंडिया इंटर-कान्टिनेंटल कल्चरल असोसिएशन के निदेशक देव भारद्वाज, डायस्पोरा अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजीव रंजन राय तथा सृति-द स्कुल आफ म्युजिक की निदेशक डॉ. परिणीता गोस्वामी ने की है।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी